अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय : 3 घंटा | तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2012) | दिनांक 22.12.2012

द्वितीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

तेरापंथ का इतिहास – 70

प्र.1 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए। 15

आचार्य रायचन्दजी (किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दें)

(क) आचार्य रायचन्दजी के कितने भाई व बहन थे, नाम लिखें?

(ख) मुनि रायचन्दजी को कौन से चार आगम कंठस्थ थे?

(ग) मुनि रायचन्दजी को युवाचार्य पद कब और कहाँ दिया गया?

(घ) ऋषिराय के समय आछ के आगार पर कुल कितने 'छहमासी तप' हुए? वे कितने मुनियों द्वारा किये गये थे, संख्या लिखें।

(ङ) आचार्यश्री रायचन्दजी का देहावसान कब और कहाँ हुआ?

(च) आचार्य रायचन्दजी ज्योतिष विद्या को मजाक में क्या कहते थे?

आचार्य जीतमलजी (किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर दें)

(छ) जयाचार्य के माता व पिता का क्या नाम था?

(ज) जयाचार्य ने अठारह वर्ष की अवस्था में कौन से आगम की जोड़ लिखी?

(झ) मुनि जीतमलजी को अग्रणी के रूप में प्रथम चातुर्मास करने के लिये कौन सा क्षेत्र दिया गया?

(ञ) जयाचार्य के समय 'टहुका' किसे कहा जाता था?

(ट) 'कलसिया' क्या होता था?

(ठ) आचार्य पद संभालने के बाद प्रथम दर्शन में साध्वी चतरूजी ने जयाचार्य को क्या भेंट किया?

(ढ़) जयाचार्य ने मात्र ग्यारह वर्ष की मुनि अवस्था में कौन सी गीतिका की रचना की।

(ण) जयाचार्य द्वारा रचित सर्वाधिक विशाल ग्रन्थ कौन सा है?

(त) जयाचार्य अपने उत्तराधिकारी के रूप में किन तीन मुनियों के नाम लिया करते थे?

(थ) जयाचार्य ने 'मुणिंद मोरा' ढ़ाल की रचना कब और कहाँ की?

(द) मुनि जीतमलजी द्वारा लिखित 'भगवती' संघ में किस नाम से प्रसिद्ध हुई?

(ध) 'संघ वेयावच्चे' पाठ में युवाचार्य जय ने 'संघ' शब्द का क्या अर्थ बताया?

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्य में दीजिए। 10

(अ) आचार्य रायचंद जी (कोई दो प्रश्नों के उत्तर दें)

(क) मुनि रायचन्दजी के दीक्षा उत्सव का वर्णन संक्षेप में करें।

(ख) आचार्य रायचन्दजी ने संघ में तमाखू पर नियंत्रण हेतु क्या नियम बनाया?

(ग) ऋषिराय ने 'नखेद' शब्द का क्या अर्थ किया?

(ब) आचार्य जीतमल जी (कोई दो प्रश्न का उत्तर दें)

(घ) 'जयाचार्य ने जिस कार्य में हाथ डाला, उसी में सफलता उनके चरण चूमती मिली।' जयाचार्य अपने इस सौभाग्य को तेरापंथ के साथ किस रूप में जोड़ते थे?

(ड.) ''राजनगर किस टालियो जी, कांकरोली रै काम।
आप टाली नै नीकल्याजी, पिण म्हारो वेली छ राम।।''

यह गीतिका किसने व क्यों गाई?

(च) 'गण विशुद्धिकरण हाजरी' क्या है?

प्र.3 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए। 10

(क) ऋषिराय के स्वर्गवास से पूर्व उनकी शारीरिक स्थिति का वर्णन कीजिये।

(ख) 'कोई तेल लगावतो करता तिण स्यूं तर्क'।
इक दिन ऐसो आवियो, गुरू हुआ तेल में गर्क।।'

पद्य से संबंधित घटना लिखें।

(ग) मुनि अमीचन्द ने ऋषिराय की क्या आशातना की तथा उसका उन्हें क्या दण्ड मिला?

प्र.4 कोई एक विषय पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। 5

(क) लिपि सुधार

(ख) प्रभावी अनुशासन

प्र.5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखें। 30

(क) मुनि जीतमल के मुनि जीवन के बारह वर्षों के विषय में बतायें।

(ख) मुनि छोगजी एवँ मुनि चतुर्भुजजी के विद्रोह के बारे में अपने शब्दों में लिखें।

(ग) जयाचार्य का अनेक दिव्य आत्माओं से संपर्क था प्रमाणित करें। घटना प्रसंगों द्वारा स्पष्ट करें।

(घ) ''जयाचार्य महान साहित्यकार थे'' संक्षेप में उदाहरणों के माध्यम से अपनी बात स्पष्ट करें।

तेरापंथ–प्रबोध – 30

प्र.6 कोई दो पद्यों को भावार्थ सहित लिखें। 12

(क) प्रगट्यो एक नयो उद्योत वाला पद्य।

(ख) तेरापंथ रो भाग्य विधाता वाला पद्य।

(ग) भिक्षु–भिक्षु–भिक्षु म्हारी आतमा पुकारै वाला पद्य।

(घ) विद्या के प्रांगण में वाला पद्य।

प्र.7 किन्हीं तीन पद्यों की पूर्ति करें। 9

(क) ध्यान धरम रो.....रो पुनरूद्धार हो।

(ख) दीक्षा में शिक्षा में.....मात–पिता सो प्यार हो।

(ग) दोरी लगी थणां नै.....स्मृति में संभार हो।

(घ) सातम आठम नवमी.....अंतर उद्‌गार हो।

(ङ) चालू शब्द समन्वय.....ओ उपहार हो।

प्र.8 कोई तीन पद्यों की पूर्ति करें। 9

(क) ''अन्न अरूचि'' वाला पद्य।

(ख) ''स्वर्ग मुझे नहीं चाहिये'' वाला पद्य।

(ग) ''जति हीरविजै दिलगीर बने'' वाला पद्य।

(घ) ''निर्मल, निर्मायी निश्छल वाला पद्य।